सांवरे की नज़र में सँवरता रहूं भजन लिरिक्स

बस संवरने की चाह मुझको इतनी रहे,
सांवरे की नज़र में सँवरता रहूं,
जितनी किरपा की मुझपे मेरे श्याम ने,
शुक्रिया मैं भी वैसे ही करता रहूं।bd।

सांवरे की पड़ी जबसे मुझपे नज़र,
अपने हाथो से जीवन सजाया मेरा,
मेरे इस दिल में जितने भी अरमान थे,
हर एक सपना हकीकत बनाया मेरा,
एक छोटी सी ख्वाहिश यही अब मेरी,
इनकी चौखट ना छूटे मैं जब तक जियूं,
जितनी किरपा की मुझपे मेरे श्याम ने,
शुक्रिया मैं भी वैसे ही करता रहूं,
बस संवरने की चाह मुझको इतनी रहे।bd।

दुनियादारी की मुझको समझ थी नहीं,
मेरे अपने ढहाते थे मुझपे सितम,
सोच करके ही रूह काँप जाती मेरी,
हमने देखे हैं अपनों के ऐसे करम,
ऐसी हालत में बीते थे मेरे वो दिन,
लब हैं खामोश आँखों से मैं सब कहूं,
जितनी किरपा की मुझपे मेरे श्याम ने,
शुक्रिया मैं भी वैसे ही करता रहूं,
बस संवरने की चाह मुझको इतनी रहे।bd।

जिसके लायक भी ना था मिला वो मुझे,
तीनो लोकों का स्वामी मिला है मुझे,
दु:ख के आने की आहट भी होती अगर,
गोद में ये उठाकर है चलता मुझे,
कोई करता नहीं जितना इसने किया,
इतने एहसान 'मोहित' मैं क्या क्या कहूं,
जितनी किरपा की मुझपे मेरे श्याम ने,
शुक्रिया मैं भी वैसे ही करता रहूं,
बस संवरने की चाह मुझको इतनी रहे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बस संवरने की चाह मुझको इतनी रहे,
सांवरे की नज़र में सँवरता रहूं,
जितनी किरपा की मुझपे मेरे श्याम ने,
शुक्रिया मैं भी वैसे ही करता रहूं।bd।

Singer – Hari Sharma Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com